उपनिषत्संग्रहः

पण्डितजगदीशशास्त्री

उपनिषत्संग्रहः

प्रथमे भागे ईशादिविंशोत्तरशतोपनिषदः
द्वितीये च योगाद्यष्टोत्तरषष्ट्युपनिषदः

स चायं भागद्वयोपेतः

पण्डितजगदीशशास्त्रिणा

विषयानुक्रमण्या लघुभूमिकया च समलङ्कृत्य सम्पादितः

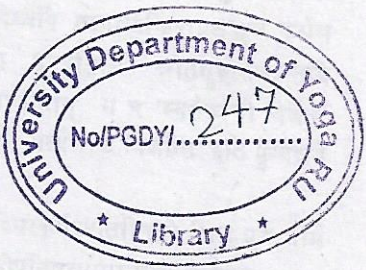

मोतीलाल बनारसीदास
दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, कोलकाता,
बंगलूरू, वाराणसी, पटना

विषयानुक्रमणी

प्रथमो भागः

१.	ईशावास्योपनिषत्	१	२२.	अमृतनादोपनिषत्	१६९
२.	केनोपनिषत्	२	२३.	अथर्वशिरउपनिषत्	१७०
३.	कठोपनिषत्	४	२४.	अथर्वशिखोपनिषत्	१७५
४.	प्रश्नोपनिषत्	१०	२५.	मैत्रायण्युपनिषत्	१७६
५.	मुण्डकोपनिषत्	१५	२६.	कौषीतकिब्राह्मणोपनिषत्	१९४
६.	माण्डूक्योपनिषत्	२०	२७.	बृहज्जाबालोपनिषत्	२०७
७.	तैत्तिरीयोपनिषत्	२१	२८.	नृसिंहपूर्वतापनीयोपनिषत्	२१८
८.	ऐतरेयोपनिषत्	३१	२९.	नृसिंहोत्तरतापनीयोपनिषत्	२२७
९.	छान्दोग्योपनिषत्	३४	३०.	कालाग्निरुद्रोपनिषत्	२३६
१०.	बृहदारण्यकोपनिषत्	८४	३१.	मैत्रेय्युपनिषत्	२३७
११.	श्वेताश्वतरोपनिषत्	१३४	३२.	सुबालोपनिषत्	२४२
१२.	ब्रह्मविन्दूपनिषत्	१४१	३३.	क्षुरिकोपनिषत्	२५०
१३.	कैवल्योपनिषत्	१४२	३४.	मन्त्रिकोपनिषत्	२५२
१४.	जाबालोपनिषत्	१४४	३५.	सर्वसारोपनिषत्	२५३
१५.	हंसोपनिषत्	१४६	३६.	निरालम्बोपनिषत्	२५४
१६.	आरुणिकोपनिषत्	१४८	३७.	शुकरहस्योपनिषत्	२५७
१७.	गर्भोपनिषत्	१४९	३८.	वज्रसूचिकोपनिषत्	२६०
१८.	नारायणाथर्वशिरउपनिषत्	१५१	३९.	तेजोविन्दूपनिषत्	२६२
१९.	महानारायणोपनिषत्	१५२	४०.	नादविन्दूपनिषत्	२८३
२०.	परमहंसोपनिषत्	१६५	४१.	ध्यानविन्दूपनिषत्	२८६
२१.	ब्रह्मोपनिषत्	१६७	४२.	ब्रह्मविद्योपनिषत्	२९२

४३. योगतत्त्वोपनिषत् २९७
४४. आत्मप्रबोधोपनिषत् ३०४
४५. नारदपरिव्राजकोपनिषत् ३०६
४६. त्रिशिखिब्राह्मणोपनिषत् ३२८
४७. सीतोपनिषत् ३७३
४८. योगचूडामण्युपनिषत् ३९३
४९. निर्वाणोपनिषत् ३४६
५०. मण्डलब्राह्मणोपनिषत् ३४७
५१. दक्षिणामूर्त्युपनिषत् ३५२
५२. शरभोपनिषत् ३५४
५३. स्कन्दोपनिषत् ३५७
५४. त्रिपाद्विभूतिमहानारायणोपनिषत् ३५८
५५. अद्वयतारकोपनिषत् ३८४
५६. रामरहस्योपनिषत् ३८६
५७. श्रीरामपूर्वतापिन्युपनिषत् ३९५
५८. श्रीरामोत्तरतापिन्युपनिषत् ४०१
५९. वासुदेवोपनिषत् ४०५
६०. मुद्गलोपनिषत् ४०७
६१. शाण्डिल्योपनिषत् ४०९
६२ पैङ्गलोपनिषत् ४२०
६३. भिक्षुकोपनिषत् ४२६
६४. महोपनिषत् ४२७
६५. शारीरकोपनिषत् ४५३
६६. योगशिखोपनिषत् ४५५
६७. तुरीयातीतोपनिषत् ४७३
६८. संन्यासोपनिषत् ४७५
६९. परमहंसपरिव्राजकोपनिषत् ४८२
७०. अक्षमालिकोपनिषत् ४८५
७१. अव्यक्तोपनिषत् ४८८
७२. एकाक्षरोपनिषत् ४९२
७३. अन्नपूर्णोपनिषत् ४९३
७४. सूर्योपनिषत् ५०९
७५. अक्ष्युपनिषत् ५१०
७६. अध्यात्मोपनिषत् ५१३
७७. कुण्डिकोपनिषत् ५१७
७८. सावित्र्युपनिषत् ५१९
७९. आत्मोपनिषत् ५२०
८०. पाशुपतब्रह्मोपनिषत् ५२३
८१. परब्रह्मोपनिषत् ५२७
८२. अवधूतोपनिषत् ५२९
८३. त्रिपुरातापिन्युपनिषत् ५३२
८४. देव्युपनिषत् ५४२
८५. त्रिपुरोपनिषत् ५४४
८६. कठरुद्रोपनिषत् ५४५
८७. भावनोपनिषत् ५४८
८८. रुद्रहृदयोपनिषत् ५५०
८९. योगकुण्डल्युपनिषत् ५५३
९०. भस्मजाबालोपनिषत् ५६१
९१. रुद्राक्षजाबालोपनिषत् ५६७

ईशादि-दशोपनिषद्

—यमुनाप्रसाद त्रिपाठी

उपनिषदों में ईश, केन, कठ, प्रश्न, मुण्डक, माण्डूक्य, तैत्तिरीय, ऐतरेय, छान्दोग्य और बृहदारण्यक मुख्य हैं। इन पर श्री शंकराचार्य के भाष्य उपलब्ध हैं। प्रस्तुत पुस्तक इन दस उपनिषदों का शांकरभाष्य-सहित संग्रह है।

एकादशोपनिषद्

—अमरदास जी

विषय की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण ग्यारह उपनिषदों का यह एक अनूठा संग्रह है। इन उपनिषदों में से ईश, केन, कठ, प्रश्न, मुण्डक, माण्डूक्य, तैत्तिरीय, और ऐतरेय उपनिषदों पर स्वामी अमरदास जी उदासीन की 'उपनिषन्मणिप्रभा' टीका, छान्दोग्य और बृहदारण्यक पर नित्यानन्दाश्रम की 'मिताक्षरा' और कैवल्य उपनिषद् पर शंकरानन्द की 'दीपिका' भी सम्मिलित हैं।

केनोपनिषद्

—यमुनाप्रसाद त्रिपाठी

इस उपनिषद् में मंत्र, पदच्छेद, अन्वय, शब्द, शब्दार्थ, भावार्थ, हिन्दी व्याख्या और अंग्रेजी रूपान्तर हैं। परिशिष्टों में डॉ. राधाकृष्णन्, स्वामी गम्भीरानन्द, गयाप्रसाद, सर्वानन्द, और अरविन्द द्वारा किए गए अंग्रेजी रूपान्तर हैं। स्वामी दयानन्द एवं दामोदर सातवलेकर के हिन्दी अनुवाद भी जोड़े गए हैं।

MOTILAL BANARSIDASS
SINCE 1903 IN INDOLOGY
MLBD
E-mail: mlbd@mlbd.com
Website: www.mlbd.com

₹ 995

Hindu Philosophy

ISBN 978-81-208-2703-5